कार्यशाला में डाटा हैकिंग की समस्या के बारे में दी जानकारी

सागर. विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागी मौजूद रहे।

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग द्वारा 'इथिकल हैकिंग ऑफ डाटा ऑफ इलेक्ट्रोनिक सिस्टम' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बीसीए एवं एमसीए के विद्यार्थियों ने सक्रियता से भाग लिया। उद्घाटन सत्र में विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर शुक्ला ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के युग में डाटा की हैकिंग एक समस्या है। कुछ हैकर गलत नियत से डाटा हैक करते हैं परन्तु इथिकल हैकर अपराधी को पकड़ने के लिए के आंकड़े डाटा चाहिए होता है जिसे इथिकल हैकर की सहायता से प्राप्त किया जा सकता है। इन्टरनेट के बढ़ते प्रसार के युग में इथिकल हैकिंग एक स्वतंत्र व्यवसाय है जहाँ एमसीए के विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकते हैं।

इस मौके पर बाहर से आए दो हैकिंग विशेषज्ञों ने दो दिन विन्डोस हैकिंग, एन्ड्रायड हैकिंग, फेसबुक हैकिंग, नेटवर्क हैकिंग का लाइव डिमान्ट्रेशन किया। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा प्रस्तुत की जिसका उत्तर विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। रितु मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कुल 45 विद्यार्थियों ने

उसका डाटा हैक करते हैं। पुलिस एवं सर्तकता एजेंसियों को साइबर क्रिमिनल

अपना रजिस्ट्रेशन कराकर सक्रिय सहभागिता की।

In-house Two-days Workshop on
Ethical Hacking
of Data from Electronic System
Sept. 7-8, 2017
artment of Computer Science & Applications
H. S. Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)